आज का सुविचार
जब तक जीना,
तब तक सीखना
अनुभव ही जगत
में सर्वश्रेष्ठ
शिक्षक है।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में
संवाददाता नियुक्त करना है..
संपर्क करे -9425156055

वर्ष 9, अंक- 56 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 28 फरवरी 2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 2 रुपये

सामाजिक समरसता बढ़ाने के लिए संत समाज हरसंभव प्रयास करे : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु

देश को आगे ले जाने के लिए सामाजिक चेतना आवश्यक है - राज्यपाल श्री पटेल

संत, सत्ता और शासन की त्रिवेणी के संगम से बागेश्वर धाम बना रहा है नये कीर्तिमान - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नव दम्पतियों को भेंट स्वरूप दिए जाएंगे 51-51 हजार रूपए

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की गरिमामय उपस्थिति में बागेश्वर धाम में 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह महोत्सव हुआ। भव्य समारोह में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित सामूहिक विवाह में दाम्पत्य सूत्र में बंध रहे जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखमय जीवन की कामना की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि समकालीन समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और समाज को जागरूक करने के लिए पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की पहल सराहनीय है। गुरूनानक देवजी, संत रविदास, कबीरदास, मीरा बाई जैसे कई संतों ने अपने उपदेशों से छुआछूत जैसी कुरीतियों को दूर करने और महिलाओं को समाज में उचित स्थान दिलाने का संदेश दिया है। समाज को सन्मार्ग दिखाने की संत परम्परा के इस उद्देश्य को बागेश्वर धाम प्रभावी रूप से आगे बढ़ा रहे है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के सम्मुख जोड़ों की वरमाला रस्म संपन्न हुई, उन्होंने

प्रतीक स्वरूप 3 जोड़ों को उपहार भेंट किए। श्री बागेश्वर धाम जन सेवा समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुई 251 बेटियों में से 108 बेटियां जनजातीय समुदाय की हैं। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु के बागेश्वर धाम पहुंचने पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अंगवस्त्रम और तुलसी की माला भेंट कर उनका अभिनंदन किया। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने हनुमान यंत्र, बालाजी सरकार का विग्रह, धाम से जुड़ा साहित्य और स्मृति चिन्ह भी भेंट किये। इस अवसर पर धाम द्वारा आयोजित छठे सामूहिक विवाह महोत्सव पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन हुआ। समारोह में खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि देश वुमेन लेड डेवलपमेंट को लेकर अग्रसर है। ऐसे समय में बेटियों को सबल और सशक्त बनाने में सहयोग करना समाज और सरकार का कर्तव्य है। बेटियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ध्यान देना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करने के लिए जन-जन को प्रतिबद्ध होना होगा। बेटियों के सशक्त होने से परिवार, समाज और देश सशक्त होगा। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि वर्ष 2047 में स्वतंत्रता की शताब्दी तक देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ हम अग्रसर हैं। हम ऐसे भारत का निर्माण करें, जो न केवल आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर हो अपितु सामाजिक समरसता से भी परिपूर्ण हो। देश पर्यावरण की दृष्टि से समृद्ध हो और आध्यात्म से विश्व को राह दिखाने में सक्षम हो।

BNS-75,लैंगिक उत्पीड़न के अपराध के लिए क्या है दण्ड के प्रावधान जानिए

भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 75 में बताया गया है कि जो कोई व्यक्ति किसी महिला के साथ या उससे

1. शारीरिक संपर्क बनाने के लिए अवांछनीय प्रक्रिया संबंधी प्रस्ताव रखेगा।
2. लैंगिक स्वीकृत के लिए कोई मांग या अनुरोध करेगा।
3. किसी भी महिला को ज़बरदस्ती अश्लील साहित्य (वीडियो, ऑडियो, फोटो आदि कामुकता पुस्तक) दिखाएगा।
4. या लैंगिक सम्बन्धी को अश्लील टिप्पणी करेगा , वह व्यक्ति लैंगिक उत्पीडन के अपराध का दोषी होगा।

युवा प्रदेश समाचार पत्र
- लेखक बीआर अहिरवार(एडवोकेट एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद) 9827737665

इस अपराध के लिए क्या है दण्ड का प्रावधान होगा जानिए –

Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 section 75 Punishment

इस धारा के अपराध संज्ञेय एवं अजमानतीय होते हैं अर्थात इस अपराध में डारेक्ट पुलिस एफआईआर लिख सकती है लेकिन ज़मानत के लिए कोर्ट में आवेदन करना होगा । इस अपराध की सुनवाई सेशन कोर्ट द्वारा की जा सकती है।

इस अपराध में दो प्रकार के दण्ड का प्रावधान है –

1. अगर कोई व्यक्ति गलत इरादे से महिला को टच करता है, अश्लील वीडियो, या कोई साहित्य दिखाता है, या लैंगिक संबंध बनाने की मांग करता है तब अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।
2. अगर कोई व्यक्ति किसी महिला को देखकर गलत टिप्पणी करता है, गलत इशारे करता है, तब अधिकतम एक वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

संस्कृति और कला का अद्वितीय गौरव है खजुराहो नृत्य समारोह : राज्यपाल श्री पटेल

शौर्य, साहस और कला-संस्कृति का संगम है बुंदेलखंड

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि बुंदेलखंड की धरती शौर्य और साहस के साथ कला और संस्कृति का ऐसा संगम है, जहाँ शस्त्र और शास्त्र के समन्वय की पराकाष्ठा देखने को मिलती है। अद्वितीय वास्तुकला,

सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक विरासत की नगरी खजुराहो, भारतीय संस्कृति और कला का अद्वितीय गौरव है। उन्होंने कहा कि खजुराहो नृत्य समारोह ने भारतीय कला और संस्कृति की विविधता में एकता को देश-विदेशों में मजबूत किया है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य की विविधता और समृद्धता को प्रदर्शित करने और विस्तारित करने में समारोह का उल्लेखनीय योगदान है। राज्यपाल श्री पटेल खजुराहो में 51वें खजुराहो नृत्य समारोह के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा है कि मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग के आयोजन में 139 नृत्य कलाकारों ने 24 घंटे, 9 मिनट, 26 सेकंड तक लगातार नृत्य कर, जो गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बना है। इससे हमारी संस्कृति का गौरव बढ़ा है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिये आयोजकों को बधाई दी है।

आधार लिंकिंग एवं फॉर्मर रजिस्ट्री न करने पर होगी सख्त कार्यवाही - श्री सिंह

समय - सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

भोपाल। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने राजस्व अधिकारियों को आधार लिंकिंग एवं फॉर्मर रजिस्ट्री में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि जो अधिकारी इस कार्य में ढिलाई बरतेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने आज कलेक्टर

कार्यालय में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में एडीएम श्री सिद्धार्थ जैन, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में समय-सीमा में प्राप्त पत्रों का निराकरण करने तथा आगामी बैठक में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायतों का समय-सीमा में संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें और जिले की रैंकिंग में सुधार लाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने शहर में अवैध अतिक्रमण की समस्या पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शहर में अवैध अतिक्रमण को तत्काल हटाएं।

BNS - पत्र द्वारा महिला को अपशब्द लिखकर भेजना,स्त्री लज्जा भंग का अपराध है या नहीं जानिए/legal advice...

किसी भी महिला के बारे मे अपशब्द बोलना या उसकी बेज्जती करना भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 में अपराध होता है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति किसी महिला को पत्र , लेटर या संदेश के द्वारा अपशब्द बोलता है जिसके कारण महिला की लज्जा भंग होती है तब किस कानून में यह अपराध माना जाएगा जानिए।

महत्त्वपूर्ण जजमेंट-

सम्राट बनाम तारकदास गुप्ता- मामले मे आरोपी एक ग्रेजुएट व्यक्ति था उसने एक बन्द लिफाफे में कुछ अश्लील बाते लिखकर नर्स को पोस्ट द्वारा भेजी, आरोपी का नर्स से कोई परिचय नहीं था। न्यायालय ने आरोपी को धारा 509(अब वर्तमान मे BNS की धारा 79 होगी) के अंतर्गत दोषी करते हुए कहा कि अश्लील संदेश लिफाफे में बंद किया था और वह उस नर्स के प्रति जिसके नाम से पत्र भेजा गया था, अश्लील प्रदर्शन माना जाएगा जिससे नर्स की लज्जा का अनादर हुआ था।

Bharatiya Nyaya Sanhita, 2023 section 79 Punishment

इस धारा के अपराध संज्ञेय एवं जमानतीय होते हैं अर्थात इस अपराध में डारेक्ट पुलिस एफआईआर लिख सकती है एवं ज़मानत भी पुलिस थाने से दे दी जाती हैं। इस अपराध की सुनवाई किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जा सकती है। न्यायालय की अनुमति द्वारा पीड़ित महिला से राजीनामा किया जा सकता है।

सजा -

इस अपराध के लिए अधिकतम तीन वर्ष की कारावास और जुर्माना से दण्डित किया जा सकता है।

लेखक बीआर अहिरवार (पत्रकार एवं विधिक सलाहकार होशंगाबाद)

घरेलू गैस सिलेण्डर के दुरूपयोग को रोकने खाद्य विभाग की कई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

भोपाल। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशानुसार घरेलू गैस सिलेण्डर के दुरूपयोग को रोकने के लिए व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की जांचें खाद्य विभाग के अमले से लगातार कराई जा रही हैं। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री अजीत कुजूर ने बताया कि खाद्य विभाग द्वारा 16 फरवरी 2025 को सईदिया स्कूल एवं अन्ना नगर स्थित 02 गैस रिफिलिंग पाईंट की

जांच में घरेलू गैस सिलेण्डर 14.2 कि.ग्राम के 09 नग भरे, 22 नग खाली एवं 19 कि.ग्राम व्यावसायिक प्रवर्ग के 02 नग भरे, 09 नग खाली, 04 नग इलेक्ट्रोनिक तौल कांटा, 05 नग गैस अंतरण मोटर पम्प मय रेग्यूलेटर पाईप के एवं लगभग 70 नग गैस सिलेण्डर कैप तथा 17 फरवरी 2025 को म.न.75 छत्रपति नगर नरेला शंकरी भोपाल से घरेलू गैस सिलेंडर 14.2 कि.ग्राम क्षमता के 32 नग भरे, 09 नग खाली गैस सिलेण्डर एवं 19 कि.ग्राम क्षमता के 01 नग भरा, 02 नग खाली व्यवसायिक गैस सिलेण्डर, 01 नग गैस अंतरण मोटर पम्प मय रेग्यूलेटर पाईप के एवं 06 नग पीतल की बंसी, 01 नग इलेक्ट्रोनिक तौल कांटा एवं लगभग 50 नग गैस सिलेण्डर कैप अनाधिकृत भंडारण, विक्रय एवं अंतरण करने पर जप्त किये गये। जप्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत 2 लाख 64 हजार है।

रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 हेतु किसान पंजीयन जारी

भोपाल। भोपाल जिले में रबी उपार्जन वर्ष 2025-26 के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए 47 सहकारी समितियों पर किसान पंजीयन केन्द्र स्थापित किये गये हैं। किसान पंजीयन की कार्यवाही 20 जनवरी 2025 से प्रारंभ है। सहकारी

समितियों के माध्यम से किये जा रहे किसान पंजीयन पूर्णतः निःशुल्क हैं। किसान द्वारा समितियों के अतिरिक्त स्वयं के मोबाइल पर पंजीयन एप डाउनलोड करके पंजीयन किया जा सकता है। साथ ही एम.पी. ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर, लोक सेवा केन्द्र, निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। जिला आपूर्ति नियंत्रक भोपाल श्री अजीत कुजूर ने बताया कि किसान पंजीयन की कार्यवाही राजस्व विभाग के ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त गिरदावरी के आंकडों के आधार पर की जा रही है। पंजीयन के दौरान पंजीयन पोर्टल पर किसान द्वारा बोया गया रकवा अथवा फसल के संबंध में अंतर होने पर संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार के यहां संशोधन / सुधार की व्यवस्था शासन द्वारा प्रदान की गई है।

कुछ तों समझो

चोर- चोर मौसेरे भाई।
मिलकर ऐसी जुगत लगाई।
साम दाम दण्ड भेद नीति से
शोषितों पर रौब जमाई।।
पीड़ित जनता समझ ना पाई।
जातियों में बांटकर दुश्मनी निभाई।
चोरो ने दुश्मनी को बो कर,
खाद और पानी खूब पलाई।
नफरत की यह बेली देखो,
कांटों की भरमार लगाई।
चोर-चोर मौसेरे भाई।
पीड़ितों के लिए है कसाई।
उन्होंने यह जुगत जमाई।
साम दाम दण्डभेद नीति से
शोषितों पर रौब जमाई।
इन दुष्टों से निपटने खातिर,
बहुजन महापुरुषों ने युक्ति बताई।
मानव- मानव एक समान है,
इस सिद्धांत को समझो भाई।

हरीश पांडल
विचार क्रांति

प्रधानमंत्री आवास योजना पर धांधली

बाणगंगा भोपाल, से आदिवासी बलराम ओझा की दास्तान।

भोपाल। भोपाल में कई गरीबों के मकान तोड़े जा रहे हैं और झूठे वादे किया जाता है कि आपको मकान दिया जाएगा हम आदिवासी परिवार के हैं और आदिवासी परिवारों के करीब कई मकान तोड़े गए हैं हम लोग से भी बोला गया था कि आप को जल्दी ही मकान दिया जाएगा यही बात को 9 साल बीत चुके हैं हम लोग 1955 से जिस जगह पर रह रहे थे 1963 के कुछ कागज भी है हम आदिवासी परिवारों को तत्काल हाथों में नोटिस देकर मकान तोड़ा गया कानून कहता है की कम से कम 15 दिन एक महीने या दो महीने पहले नोटिस दिया जाता है हमें तत्काल हाथों में नोटिस देकर मकान तोड़ा गया हमारी पूरी जमा पूंजी मकान पर लग गए थे हमें? 1 रुपए भी मुआवजा नहीं मिला और प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए?20000 जमा करवाए और कहां गया कि आपको श्याम नगर पार्ट 2 में मकान दिया जाएगा अब कहां जा रहा है की आपको यहां मकान नहीं मिलेगा मकान फुल हो चुके हैं सच्चाई यह है की मकान अभी तैयारी नहीं हुए

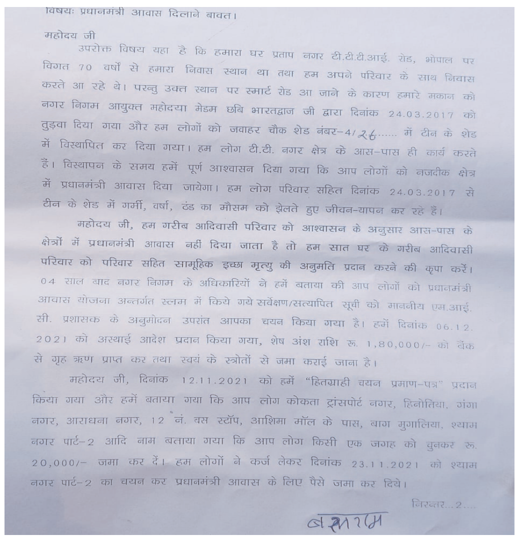

विषयः प्रधानमंत्री आवास दिलाने बावत।

महोदय जी

उपरोक्त विषय यहा है कि हमारा घर प्रताप नगर टी.टी.टी.आई. रोड, भोपाल पर विगत 70 वर्षों से हमारा निवास स्थान था तथा हम अपने परिवार के साथ निवास करते आ रहे थे। परन्तु उक्त स्थान पर स्मार्ट रोड आ जाने के कारण हमारे मकान को नगर निगम आयुक्त महोदया मेडम छबि भारतद्वाज जी द्वारा दिनांक 24.03.2017 को तुड़वा दिया गया और हम लोगों को जवाहर चौक शेड नंबर-4/26...... में टीन के शेड में विस्थापित कर दिया गया। हम लोग टी.टी. नगर क्षेत्र के आस-पास ही कार्य करते हैं। विस्थापन के समय हमें पूर्ण आश्वासन दिया गया कि आप लोगों को नजदीक क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास दिया जायेगा। हम लोग परिवार सहित दिनांक 24.03.2017 से टीन के शेड में गर्मी, वर्षा, ठंड का मौसम को झेलते हुए जीवन-यापन कर रहे हैं।

महोदय जी, हम गरीब आदिवासी परिवार को आश्वासन के अनुसार आस-पास के क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास नहीं दिया जाता है तो हम सात घर के गरीब आदिवासी परिवार को परिवार सहित सामूहिक इच्छा मृत्यु की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें। 04 साल बाद नगर निगम के अधिकारियों ने हमें बताया की आप लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत स्लम में किये गये सर्वेक्षण/सत्यापित सूची को माननीय एम.आई.सी. प्रशासक के अनुमोदन उपरांत आपका चयन किया गया है। हमें दिनांक 06.12.2021 को अस्थाई आदेश प्रदान किया गया, शेष अंश राशि रू. 1,80,000/- को बैंक से गृह ऋण प्राप्त कर तथा स्वयं के स्त्रोतों से जमा कराई जाना है।

महोदय जी, दिनांक 12.11.2021 को हमें "हितग्राही चयन प्रमाण-पत्र" प्रदान किया गया और हमें बताया गया कि आप लोग कोकता ट्रांसपोर्ट नगर, हिनोतिया, गंगा नगर, आराधना नगर, 12 नं. बस स्टॉप, आशिमा मॉल के पास, बाग मुगालिया, श्याम नगर पार्ट-2 आदि नाम बताया गया कि आप लोग किसी एक जगह को चुनकर रू. 20,000/- जमा कर दें। हम लोगों ने कर्ज लेकर दिनांक 23.11.2021 को श्याम नगर पार्ट-2 का चयन कर प्रधानमंत्री आवास के लिए पैसे जमा कर दिये।

निरन्तर...2....

बलराम

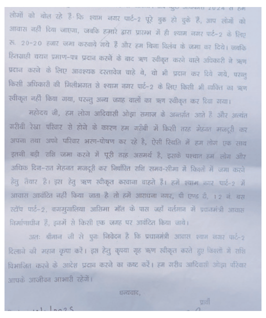

लोगों को बोल रहे हैं कि श्याम नगर पार्ट-2 पूरे बुक हो चुके हैं, आप लोगों को आवास नहीं दिया जाएगा, जबकि हमारे द्वारा प्रारम्भ में ही श्याम नगर पार्ट-2 के लिए रू. 20-20 हजार जमा करवाये गये हैं और हम बिना विलंब के जमा कर दिये। जबकि हितग्राही चयन प्रमाण-पत्र प्रदान करने के बाद ऋण स्वीकृत करने वाले अधिकारी ने ऋण प्रदान करने के लिए आवश्यक दस्तावेज चाहे थे, वो भी प्रदान कर दिये गये, परन्तु किसी अधिकारी की मिलीभगत से श्याम नगर पार्ट-2 के लिए किसी भी व्यक्ति का ऋण स्वीकृत नहीं किया गया, परन्तु अन्य जगह वालों का ऋण स्वीकृत कर दिया गया।

महोदय जी, हम लोग आदिवासी ओझा समाज के अन्तर्गत आते हैं और अत्यंत गरीबी रेखा परिवार से होने के कारण हम गरीबी में किसी तरह मेहनत मजदूरी कर अपना तथा अपने परिवार भरण-पोषण कर रहे है, ऐसी स्थिति में हम लोग एक साथ इतनी बड़ी राशि जमा करने में पूरी तरह असमर्थ है, इसके पश्चात हम लोग और अधिक दिन-रात मेहनत मजदूरी कर निर्धारित राशि समय-सीमा में किश्तों में जमा करने हेतु तैयार है। इस हेतु ऋण स्वीकृत करवाना चाहते हैं। हमें श्याम नगर पार्ट-2 में आवास आवंटित नहीं किया जाता है तो हमें आराधना नगर, पी एण्ड टी, 12 नं. बस स्टॉप पार्ट-2, बागमुगालिया आसिमा मॉल के पास जहाँ वर्तमान में प्रधानमंत्री आवास निर्माणाधीन हैं, इनमें से किसी एक जगह पर आवंटित किया जाये।

अतः श्रीमान जी से पुनः निवेदन है कि प्रधानमंत्री आवास श्याम नगर पार्ट-2 दिलाने की महान कृपा करें। इस हेतु कृपया गृह ऋण स्वीकृत करते हुए किश्तों में राशि विभाजित करने के आदेश प्रदान करने का कष्ट करें। हम गरीब आदिवासी ओझा परिवार आपके आजीवन आभारी रहेगें।

धन्यवाद,

प्रार्थी

हैं और पहले ही प्राइवेट सेक्टर में मकान बेचा जा रहा है माननीय मंत्री जी ने कहा गया था की जिनके मकान टूटे हैं पहले उनको मकान दिया जाए मगर जिनका मकान तोड़ा गया है उनको नहीं दिया जा रहा है इसकी इंक्वारी होना चाहिए कि गरीबों के मकान गरीबों को क्यों नहीं मिल रहा सबसे पहले जिन गरीबों के मकान टूटे हैं उनका मकान दिया जाए उसके बाद प्राइवेट बचा जाए हम आदिवासी परिवार 9 साल से जगह-जगह भटक रहे हैं मगर हमारी कोई सुनवाई नहीं की जा रही है कृपया करके हमारी मदद करें हम परिवार डिप्रेशन का शिकार हो चुके हैं मदद करें धन्यवाद

बालाघाट पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी 04 हार्डकोर नक्सली महिला आशा,शीला,रंजीता और लक्खे मुठभेड़ में ढेर

ज्ञानचन्दशर्मा/बालाघाट। शासन के निर्देशानुसार मार्च 2026 तक नक्सल समस्या को पूर्णतः समाप्त करने हेतु चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत् बालाघाट पुलिस व हॉकफोर्स जवानों को 04 हार्डकोर महिला नक्सली को मार गिराने में बड़ी सफलता हासिल हुई हैं। जिले के थाना गढ़ी अंतर्गत सूपखार रेंज के रौंदा जंगल में कान्हा भोरमदेव डिविजन के एक समूह की उपस्थिति की आसूचना के आधार पर हॉकफोर्स व जिला पुलिस बल द्वारा बुधवार को रौंदा,गड़ीदादर, काटोलदेही एरिया में सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। इस दौरान हॉकफोर्स और पुलिस दल रौंदा फॉरेस्ट कैंप की ओर आगे बढ़ रही थी तभी 20 से 25 नक्सलियों द्वारा पुलिस सर्चिंग पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग की जाने लगी। सुरक्षा बलों द्वारा अपनी जान की परवाह न करते हुए नियंत्रित एवम् प्रभावी जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें 04 हार्डकोर महिला नक्सली मारी गई। जिनके पास से 01 इंसास मय मैगजीन, 01एसएलआर रायफल,01.303 रायफल व 315 रायफल एवम् अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री को बरामद किया गया। मुठभेड़ में ये नक्सली मारी गई 01. आशा निवासी दक्षिण बस्तर जिला सुकमा छत्तीसगढ़ पद कमांडर भोरमदेव एरिया कमेटी घोषित ईनाम 20लाख। 02. शीला उर्फ पदम उर्फ सरिता निवासी पेंटा थाना जगरगुंडा जिला सुकमा छत्तीसगढ़ पद एसीएम भोरमदेव एरिया कमेटी ईनाम 14 लाख।03. रंजीता जिला कोंडागांव छत्तीसगढ़ पद एसीएम भोरमदेव एरिया कमेटी ईनाम 14 लाख।04. लक्खे मरावी जिला सुकमा छत्तीसगढ़ पद एसीएम भोरमदेव एरिया कमेटी ईनाम 14 लाख। मुठभेड़ के दौरान कुछ नक्सली घायल हुए जो घने जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे जिनकी तलाश हेतु सीआरपीएफ, हॉकफोर्स एवम् जिला पुलिस बलों द्वारा क्षेत्र में बड़े स्तर पर सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा हैं। जिले से नक्सलवाद को खत्म करने के लिए नक्सल विरोधी अभियान में और गतिशीलता लाकर नक्सलवाद को जिले से शीघ्र ही समूल समाप्त किया जायेगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत जनपद पंचायत जैतहरी में 447 जोड़ों का हुआ सामूहिक विवाह

कन्यादान महादान है इसमें सभी की भावनाएं जुड़ी है- राज्य मंत्री दिलीप जायसला

गरीब कल्याण के लिए कन्या विवाह योजना है वरदान - विधायक फुंदेलाल मार्को

अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन की कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा है कि राज्य सरकार गरीब वर्ग के लिए अनेक योजनाएँ संचालित कर रही है। इन योजनाओं से गरीब परिवारों के जीवन स्तर में सुधार के साथ उन्हें आत्म-निर्भर बनाया जा रहा है। शासन की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना उन गरीब परिवारों के लिए वरदान बनी है, जो आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटियों का धूमधाम से विवाह करने में असमर्थ है। ऐसे परिवारों की चिन्ता राज्य सरकार कर रही है। मध्य प्रदेश शासन की कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल आज जिले के जनपद पंचायत जैतहरी में आयोजित सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्य मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की जितनी सराहना की जाए उतनी कम है। यह योजना जन-भागीदारी से जुड़ा हुआ है। कन्यादान एक बहुत बड़ा दान होता है। राज्य मंत्री ने वर-वधु एवं परिवार वालों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को कई प्रदेशों ने अपनाया है। इस योजना के माध्यम से समय और धन दोनों की बचत होती हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक पुष्पराजगढ़ फुंदेलाल मार्को ने

कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना गरीब कल्याण के लिए वरदान है। यह योजना से कई परिवार के बेटियों का घर बसा है। उन्होंने कहा कि कन्या विवाह योजना, बेटी को बोझ नहीं वरदान बनाने की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने सभी वर-वधुओं को उनके दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इसी प्रकार कार्यक्रम को जिला पंचायत अनूपपुर की अध्यक्ष प्रीति रमेश सिंह एवं जिला पंचायत की उपाध्यक्ष पार्वती वाल्मीकि राठौर ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 447 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। इस दौरान मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल विधायक पुष्पराजगढ़ फुंदेलाल मार्को, जिला पंचायत की अध्यक्ष प्रीति रमेश सिंह, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष पार्वती बाल्मिक राठौर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के पूर्व अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, बिना विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता, जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष राजीव सिंह जनपद उपाध्यक्ष राठौर, नगर परिषद जैतहरी के अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी लाल बहादुर वर्मा सहित जनपद सदस्य गण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना अंतर्गत 447 जोड़ो? को बारी-बारी से मंडप पर पहुंच कर शुभकामनाएं एवं शुभाशीष दिया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण एवं बाजा-गाजा के साथ वर-वधुओं का विवाह संपन्न हुआ।

साइबर क्राइम के बढ़ते मामले,आंकड़ों के अनुसार पिछले चार वर्षों में साइबर अपराधियों ने अट्ठाइस हज़ार करोड़ की धोखाधड़ी की

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

बढ़ते डिजिटलीकरण के साथ ही साइबर क्राइम के मामलों में तेजी से इजाफा हुआ है। साइबर क्राइम का मतलब सिर्फ किसी को ऑनलाइन आपत्तिजनक बातें बोलना नहीं है बल्कि इससे कहीं और ज्यादा है। राष्टीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के मुताबिक, अगस्त 2019 से 31 मार्च 2024 तक कुल 38 लाख 58 हजार 971 साइबर अपराध के मामले दर्ज किए गए है।कौन सा ऐसा दिन है जब किसी शहर में साइबर क्राइम की खबर सुनने को नहीं मिलती है। पैटर्न भी हर दिन एक जैसा नहीं।नई डिवाइस, नई टेक्नोलॉजी आई नहीं कि साइबर क्रिमिनल्स भी उसे काउंटर करने में लग जाते हैं। उद्देश्य किसी भी तरह से लोगों से पैसे ऐंठना साइबर अपराधी कभी केवाइसी अपडेट करने के नाम पर, तो कभी आधार कार्ड या बिजली 3 विल जमा करने के नाम पर ओटीपी पूछता है । उसके बाद जैसे ही लोग ओटीपी साइबर ठग को बताते हैं, उनके खाते से रुपए की निकासी हो जाती है। फेसबुक, वाट्सएप, टेलीग्राम, जी मेल के साथ अन्य मीडियम के माध्यम से साइबर ठग ठगी को अंजाम दे रहे हैं।साइबर क्राइम अब महामारी की तरह फैल गई है। साइबर ठगी की दुनिया में अब डिजिटल अरेस्ट की सबसे ज्यादा चर्चा है, जिसमें ईडी सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियों की कार्रवाई का डर दिखाकर लोगों को शिकार बनाया जा रहा है, साइबर ठग कुछ खास ऐप के जरिए ऑफिसर बनकर वीडियो कॉल करते हैं।पीड़ित उन्हें जांच एजेंसी का बड़ा ऑफिसर समझ बैठता है और ठगी का शिकार हो जाता है। वाट्सअप, टेलीग्राम ग्रुप पर जोड़कर वहां ट्रेनिंग व जानकारी देने के बाद उनसे लाखों की ठगी की जा रही

है।इसके लिए लोगों को चिन्हित कर उन्हें अचानक ही ग्रुप में जोड़ा जा रहा है और निवेश, रिव्यू आदि के नाम पर ठगी की जा रही है। इस तरह की ठगी में नाइजीरियन के अलावा कई गैंग सक्रिय है, स्टॉक मार्केट इन्वेस्टमेंट स्कैम भी हो रहा है। साइबर अपराधी न्यूड वीडियो कॉल कर लोगों को सेक्स्टार्शन का शिकार बना रहे हैं। इस अपराध में लड़कियों को शामिल किया गया है।जो कि आम लोगों को वीडियो कॉल की स्क्रीन रिकॉर्डिंग करके लोगों को ब्लैकमेल करके पैसों की डिमांड की जाती है। भारत सरकार ने स्मार्टफोन बेस्ट प्रैक्टिसेज पर एक एडवाइजरी जारी की है जिसका पालन करने और ध्यान में रखने से स्मार्टफोन यूजर्स ऑनलाइन सुरक्षित रह सकते हैं। इस एडवाइजरी में सोशल मीडिया या फिर स्मार्टफोन यूजर्स के लिए कई सुझाव दिए गए है जैसे किसी भी ऐप को डाउनलोड करने से पहले हमेशा उसके डिटेल, डाउनलोड्स नंबर, यूजर रिव्यू, एडिशनल इफॉर्मेशन संक्शन की समीक्षा करनी चाहिए, वही लैपटॉप में अपडेटेड एंटीवायरस और एंटीस्यायवेयर सॉफ्टवेयर इंस्टॉल और मेनटेन करके हमेशा रखें किसी भी साईट पर पर्सनल डिटेल भरने से पहले हमेशा साईट को वेरिफाई करें।बैंक संबंधी जानकारी शेयर करने से बचना चाहिए।अनजान लिंक पर कभी भी क्लिक कर उसे ओपन न करें। अनजान वेवसाइट पर ध्यान दें ।कभी भी किसी भी वेबसाइट को सर्च करते वक्त सबसे पहले एचटीटीपीएस पर ध्यान देना चाहिए। अगर वेबसाइट के लिंक में एचटीटीपीएस के बजाय एचटीटीपी है, तो हमें ऐसे वेबसाइट पर नहीं जाना चाहिए। कंप्यूटर फोन पर कभी भी थर्ड पाटी एप या फ्री का सॉफ्टवेयर इस्टॉल न करें। एप को इंस्टॉल करने के लिए सिर्फ प्ले स्टोर का इस्तेमाल करें. एप इंस्टॉल करने के पूर्व उसकी जांच करें ऑन लाइन स्कीम, लॉटरी या गिफ्ट के मैसेज पर भरोसा न करें। साइबर ठगी होने के बाद पीड़ित सबसे पहले 1930 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराए, फोन करने के साथ ही शिकायत दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी जाती है, उसके बाद पीडित थाना जाकर भी अपनी शिकायत कर सकता है। इसके अलावा साइबर क्राइम जीओवी इन में जाकर भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। राष्टीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर सिम कार्ड और धोखाधड़ी करने में इस्तेमाल मोबाइल डिवाइस को ब्लॉक करने के लिए एक प्लेटफॉर्म विकसित किया गया है। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक कुल 4 लाख 29 हजार 152 मोबाइल नंबर ब्लॉक किए गए हैं। साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग एंड मैनेजमेंट सिस्टम का गठन चार साल पहले किया गया था ताकि साइबर क्राइम की सही रिपोर्ट दी जा सकी है। इसकी रिपोर्ट कहती है कि 2021 से लेकर अब तक 30 लाख से अधिक साइबर क्राइम की कप्लेन दर्ज की गई है। इन वर्षों में साइबर अपराधियों ने 28,000 करोड़ की धोखाधड़ी की।

बच्चो को टेलीग्राम ग्रुप द्वारा झांसा देकर दसवीं बारहवीं के पेपर के बदले पैसे ऐंठने वाले आरोपी रसायबर क्राईम पुलिस ने पकड़े

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

सायबर क्राईम ब्रान्च जिला भोपाल की टीम द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के लोगो एवं नाम का उपयोग कर टेलीग्राम ग्रुप बनाकर बच्चो को 10वी,12वी का पेपर देने के नाम पर झांसे मे लेकर खाते मे रुपये डलवाने वाले आरोपी को सायबर क्राईम ब्रांच भोपाल ने भिण्ड से गिरफ्तार किया। अपराध क्र.41/25 धारा – 319(2) BNS एवं 66 (सी) 66(डी) आईटीएक्ट की विवेचना थाना क्राइम ब्रांच जिला भोपाल द्वारा की जा रही थी, जिसमे माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के लोगो एवं नाम का उपयोग कर Mpboard class12thpaperleak व Mpboard Paper_officiall नाम से टेलीग्राम ग्रुप बनाकर बच्चो को 10वी,12वी का पेपर देने के नाम पर झांसे मे लेकर पैसे डलवाते है। खातो मे रूपये लेने के बाद बच्चो को गुमराह करते हैं और सेम्पल पेपर देते है। जिसको गंभीरता से लेते हुये त्वरित कार्यवाही प्रारंभ की गई। आरोपी द्वारा टेलीग्राम एप पर माध्यमिक शिक्षा मंडल के नाम का एवं लोगो का प्रयोग कर टेलीग्राम ग्रुप बनाकर उसमे 10वी,12वी के बच्चो को वार्षिक परीक्षा के प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का झांसा देकर उनसे अलग अलग ग्रुप मे 1000 रू, 2000 रू देने पर प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने का झांसा देकर रुपये लिए जा रहे थे। ये पैसे पेटीएम वालेट के क्यू आर कोड मे लिए जा रहे है।सायबर क्राईम जिला भोपाल की टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही कर प्राप्त साक्ष्यो एंव तकनीकी एनालिसिस के आधार पर टेलीग्राम एप पर माध्यमिक शिक्षा मंडल के नाम का एवं लोगो का प्रयोग कर टेलीग्राम ग्रुप बनाकर धोखाधडी करने वाले एक आरोपी को भिण्ड से गिरफ्तार किया गया जिससे अपराध में प्रयुक्त एक मोबाईल फोन , दो सिमकार्ड,बैंक ऑफ बड़ौदा व बैंक आफ इंडिया का खाते का एटीएम कार्ड जप्त किया गया।सायबर काईम संबंधित घटना घटित होने की सूचना भोपाल सायबर क्राइम के हेल्पलाइन नम्बर 9479990636 अथवा राष्टीय हेल्पलाईन नंबर 1930 पर दे।

राज्यपाल चैबीसवीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के समापन समारोह में हुए शामिल

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि खेलों से व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण होता है। जीवन के महत्वपूर्ण सबक भी खेलों से ही मिलते हैं। खिलाड़ी जीवन के संघर्ष, जिम्मेदारियों और कठिन परिस्थितियों पर विजय पाने में इस सीख का उपयोग करें। राज्यपाल चौबीसवीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।राज्यपाल ने भोपाल के बोट क्लब में आयोजित कयाकिंग, केनोइंग और रोईंग प्रतियोगिता के ओवर-ऑल चैम्पियनशिप के विजेता और उप विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने चैम्पियनशिप के समापन की घोषणा करते हुए ध्वज को मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना को सौंपा। राज्यपाल ने कहा कि खिलाड़ी सफलता के दौर में आत्मानुशासन और विनम्रता को बनाए रखे। अपने प्रदर्शन और कौशल को बेहतर होने निरंतर अभ्यास करे। उन्होंने कहा कि देश में खेलों के प्रति आमजन के नजरिए में बड़ा बदलाव आया है।फिट इंडिया मूवमेंट और खेलों इंडिया जैसे कार्यक्रमों से टेलेंट हंट और खेल प्रतियोगिताओं के आयोजनों को बढ़ावा मिला है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में खेलों के प्रोत्साहन के लिए विशेष प्रावधान ने देश में नई खेल संस्कृति का वातावरण बनाया है। खेलों में अब रोजगार के अनेक नए अवसर भी बनने लगे हैं। खेलों का दायरा अब मनोरंजन से बढ़कर सम्मान और करियर तक विस्तृत हो गया है। उन्होंने कहा कि राष्टीय और अंतर्राष्टीय स्तर पर सफल खिलाड़ियों को आर्थिक प्रोत्साहन और सरकारी सेवाओं में केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा नियुक्ति दी जा रही है। इसी का सुखद परिणाम है कि ओलंपिक और पैरालंपिक जैसी अंतर्राष्टीय स्पर्धाओं में देश के खिलाड़ी ऐतिहासिक प्रदर्शनों से कीर्तिमान बना रहे है। राज्यपाल का स्वागत खेल मंत्री विश्वास सारंग ने किया। स्मृति चिन्ह पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने भेंट किया। खेल मंत्री ने खेलों के विकास के लिए केन्द्र और राज्य सरकार के प्रयासों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने राष्टीय खेलों में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की जानकारी भी दी। डी.जी.पी. ने 24वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के आयोजन की विस्तार से जानकारी दी। समापन समारोह में अपर मुख्य सचि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, पुलिस और अदर्ध सैनिक बलों के खिलाड़ी, ज्यूरी मेम्बर और वॉलंटियर मौजूद थे।

बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के लिए आज से दी जाएगी घर-घर दस्तक

18 फरवरी से 18 मार्च तक चलेगा दस्तक अभियान का दूसरा चरण

भोपाल। बाल स्वास्थ्य और पोषण के लिए दस्तक अभियान का द्वितीय चरण मंगलवार 18 फरवरी से प्रारंभ होकर 18 मार्च तक संचालित होगा। इस अभियान के दौरान 9 माह से 5 साल के बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई जाएगी। साथ ही दस्तक अभियान के प्रथम चरण में एनीमिक पाए गए 6 माह से 5 साल के बच्चों के खून की जांच डिजिटल हिमोग्लोबीनोमीटर से की जाएगी। एनीमिया के स्तर की पुनः जांच कर बच्चों का थेरेप्यूटिक प्रबंधन किया जाएगा। अभियान के तहत एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी द्वारा घर-घर जाकर दस्तक दी जाएगी। अभियान की तैयारियों के सम्बन्ध में जिला और विकासखंड स्तरीय समीक्षा कर कार्ययोजना बनाई गई है। एक माह तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य 5 वर्ष से छोटे बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण की सेवाएं प्रदान करके बाल मृत्यु में अपेक्षित कमी लाना हैं। अभियान के तहत 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए के घोल की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान के दौरान डिजिटल हिमोग्लोबीनोमीटर से बच्चों में एनीमिया की स्थिति की जांच करके एनीमिक पाए गए बच्चों को आयरन सप्लीमेंटेशन सेवन कराया जाएगा।

प्रदेश में निरोगी काया अभियान अंतर्गत धुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों की निःशुल्क की जाएगी जांच

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

मध्यप्रदेश में निरोगी काया अभियान 20 फरवरी से 31 मार्च तक संचालित किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित इस अभियान के तहत प्रदेशभर में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिकों तथा अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। अभियान में 30 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों की निःशुल्क जाँच की जायेगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान और निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करना है। ये बीमारियाँ प्रारंभिक अवस्था में बिना लक्षणों के होती हैं, लेकिन आगे चलकर हृदय रोग, लकवा, किडनी व लीवर की बीमारियों का कारण बन सकती हैं। इसलिए इस अभियान के तहत व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य जांच, रोग की शीघ्र पहचान और सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस अभियान का विशेष लाभ जनजातीय एवं वनवासी समुदायों को मिलेगा। इन्हें रोगों की रोकथाम, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और नशे से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान को प्रभावी बनाने के लिए आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर सर्वेक्षण किया जा रहा है। उन्हें प्राथमिकता से जांच और इलाज की सुविधा दी जाएगी।

कोतमा पुलिस ने मोटर साइकिल गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

कोतमा। कोतमा 24 फरवरी 2025 को फरियादी आकाश कुमार पनिका पिता परमेश्वर पनिका उम्र 26 साल निवासी कतकोना थाना बिजूरी ने रिपोर्ट किया की रविवार को शाम 5 अपनी पत्नी के साथ कोतमा बाजार करने अपनी मोटर साइकिल डीलक्स नंबर एमपी 65 एमसी 7915 आया था आजाद चौक के पास जैन साइकिल स्टोर के सामने मोटरसाइकिल को खड़ी कर बाजार करने लगा बाजार करने के बाद वापस आया तो देखा मोटरसाइकिल नहीं है काफी पता तलाश के बाद मोटरसाइकिल नहीं मिली जिसकी कीमत 80 हजार हैं अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट पर थाना कोतमा में अपराध पंजीकृत कर विवेचना में लिया गया प्रकरण के विवेचना के दौरान थाना क्षेत्र के पूर्व के बाइक चोरों के संबंध में जानकारी इकट्ठी कर संदेही राजेश उर्फ राकेश जयसवाल पिता जवाहर जायसवाल उम्र 25 वर्ष निवासी जर्रा टोला खोडरी थाना कोतमा को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई जो बताया कि रविवार के शाम के समय अपने दोस्त सूरज केवट पिता छोटेलाल निवासी जर्रा टोला खोडरी के साथ अपनी अपनी मोटरसाइकिल में कोतमा बाजार आए थे जहां दोनों ने मिलकर बाइक चोरी करने की योजना बनाई और आजाद चौक के पास जैन साइकिल स्टोर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स को सूरज केवट की मोटरसाइकिल की चाबी से चालू कर के चोरी कर ले गए मोटर साइकिल बेचने के लिए मोहम्मद सैफ उर्फ लल्लू निवासी कोतमा को देना बताए उक्त तीनों आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर आरोपी राजेश उर्फ राकेश जायसवाल से घटना में प्रयुक्त स्कूटी क़ीमत 70 हजार आरोपी सूरज केवट से मोटरसाइकिल एच एफ डीलक्स कीमत 80 हजार- एवं आरोपी मोहम्मद सैफ से चोरी की मोटर साइकिल डीलक्स नंबर एमपी 65 एमसी 7915 कीमत 80 हजार तीनों मोटरसाइकिल की कुल कीमत 2 लाख 30 हजार को आरोपियों से जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है, आरोपी राजेश जायसवाल पूर्व में भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है मामले में पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोतमा के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतमा सुंद्रेश सिंह के नेतृत्व में विनय सिंह संजय त्रिपाठी अभय त्रिपाठी संजय द्विवेदी शुभम तिवारी सत्यभान सिंह जितेंद्र मंडलोई मुमताज वं साइबर सेल राजेंद्र अहिरवार पंकज मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिजावर में सीटी स्कैन,एक्स-रे और सीबीसी आदि जाँचो की सुविधा उपलब्ध हो इस संबंध मे परिसंघ ने लिखा शासन को पत्र

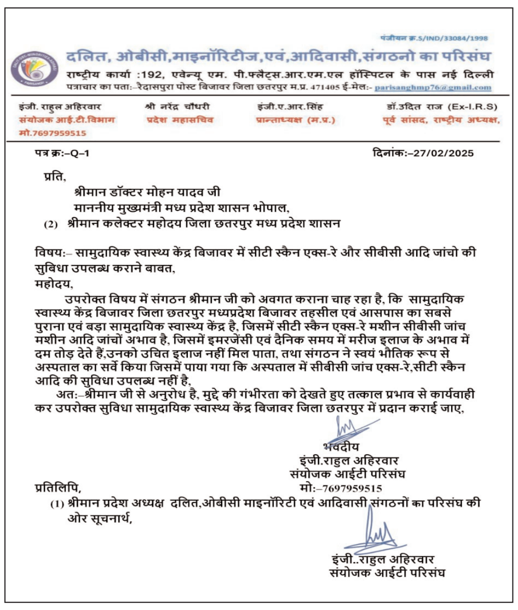

पंजीयन क्र.S/IND/33084/1998

दलित, ओबीसी,माइनॉरिटीज,एवं,आदिवासी,संगठनो का परिसंघ

राष्ट्रीय कार्या :192, एवेन्यू एम. पी.फ्लैट्स.आर.एम.एल हॉस्पिटल के पास नई दिल्ली

पत्राचार का पता:-रैदासपुरा पोस्ट बिजावर जिला छतरपुर म.प्र. 471405 ई-मेल:- parisanghmp76@gmail.com

इंजी. राहुल अहिरवार संयोजक आई.टी.विभाग मो.7697959515	श्री नरेंद्र चौधरी प्रदेश महासचिव	इंजी.ए.आर.सिंह प्रान्ताध्यक्ष (म.प्र.)	डॉ.उदित राज (Ex-I.R.S) पूर्व सांसद, राष्ट्रीय अध्यक्ष,

पत्र क्र:-Q-1 दिनांक:-27/02/2025

प्रति,

श्रीमान डॉक्टर मोहन यादव जी
माननीय मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन भोपाल,
(2) श्रीमान कलेक्टर महोदय जिला छतरपुर मध्य प्रदेश शासन

विषय:- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिजावर में सीटी स्कैन एक्स-रे और सीबीसी आदि जांचो की सुबिधा उपलब्ध कराने बाबत,

महोदय,

उपरोक्त विषय में संगठन श्रीमान जी को अवगत कराना चाह रहा है, कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिजावर जिला छतरपुर मध्यप्रदेश बिजावर तहसील एवं आसपास का सबसे पुराना एवं बड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र है, जिसमें सीटी स्कैन एक्स-रे मशीन सीबीसी जांच मशीन आदि जांचों अभाव है, जिसमें इमरजेंसी एवं दैनिक समय में मरीज इलाज के अभाव में दम तोड़ देते हैं,उनको उचित इलाज नहीं मिल पाता, तथा संगठन ने स्वयं भौतिक रूप से अस्पताल का सर्वे किया जिसमें पाया गया कि अस्पताल में सीबीसी जांच एक्स-रे,सीटी स्कैन आदि की सुविधा उपलब्ध नहीं है,

अत:-श्रीमान जी से अनुरोध है, मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से कार्यवाही कर उपरोक्त सुविधा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिजावर जिला छतरपुर में प्रदान कराई जाए,

भवदीय
इंजी.राहुल अहिरवार
संयोजक आईटी परिसंघ
मो:-7697959515

प्रतिलिपि,
(1) श्रीमान प्रदेश अध्यक्ष दलित,ओबीसी माइनॉरिटी एवं आदिवासी संगठनों का परिसंघ की ओर सूचनार्थ,

इंजी..राहुल अहिरवार
संयोजक आईटी परिसंघ

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिजावर में सीटी स्कैन, एक्स-रे, और सीबीसी जैसी जांचों की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या इतनी गंभीर है कि कई मरीजों की इलाज के अभाव में मौत हो गई है। दलित, ओबीसी, माइनॉरिटी, और आदिवासी संगठनों के परिसंघ ने मध्य प्रदेश सरकार और जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर इस समस्या का समाधान करने की मांग की है। परिसंघ के संयोजक इंजीनियर राहुल अहिरवार ने कहा है, कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिजावर को सीटी स्कैन, एक्स-रे,और सीबीसी जैसी जांचों की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार को जल्द से जल्द कार्यवाही करनी चाहिए।

आदर्श जन कल्याण संस्थान के तत्वावधान में में गोष्ठी आयोजित

आदर्श जन कल्याण संस्थान के तत्वावधान में दुर्ग से पधारे छत्तीसगढ़ी फिल्म लेखक गीतकार लक्ष्मी नारायण कुंभकार सचेत जीके आगमन पर डॉक्टर तन्हा के निवास में गोष्ठी आयोजित कर कर फिल्म तथा साहित्य के क्षेत्र में सचेत जी के द्वारा दिए गए उल्लेखनीय योगदान हेतु उन्हें पुष्पगंधा प्रकाशन के द्वारा साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित कर सम्मान पत्र शॉल ओढ़ाकर उनके योगदान को रेखांकित कर सम्मानित किया गया उक्त कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार शिक्षक हरि विश्वकर्मा संस्थान के अध्यक्ष डॉक्टर सुनील गुप्ता तन्हा संयोजक अंकुर गुप्ता आकाश उपाध्यक्ष श्रीमती सुलेखा गुप्ता दुर्गेश भारद्वाज सुखनंदन चंद्रवंशी उपस्थित थे।

बस्तर की कहानियाँ लिखूं तो क्या लिखूं?

कुमारी दीप्ति बाजपेई जगदलपुर, बस्तर छत्तीसगढ़।

कभी बस्तर के मुस्कुराते आदिवासियों के चहरे लिखूं,
कभी उनके संघर्ष भरे जीवन की दास्तां लिखूं।

कभी बस्तर के श्रृंगार लिखूं,
कभी बस्तर के उजाड़ लिखूं।

कभी बस्तर की खूबसूरत वादियां लिखूं,
कभी बस्तर के अंदरूनी इलाकों की सिसकियां लिखूं।

कभी बस्तर के महुए का महकना लिखूं,
कभी बस्तर में बारूद का दहकना लिखूं।

कभी हिड़मा लिखूं, कभी बुदरी लिखूं,
कभी मुकेश का दर्द लिखूं।

कभी यहाँ का मौसम गर्म लिखूं,
कभी शरद लिखूं।

कभी तेंदू पत्ते की सरसराहट लिखूं,
कभी जंगलों में होने वाली आहट लिखूं।

कभी बस्तर की जिंदगी की कहानियाँ लिखूं,
कभी बस्तर की संघर्ष की कहानियाँ लिखूं।

कभी बस्तर की संस्कृति की कहानियाँ लिखूं,
कभी बस्तर की परंपराओं की कहानियाँ लिखूं।

कभी बस्तर की जंगलों की कहानियाँ लिखूं,
कभी बस्तर की नदियों की कहानियाँ लिखूं।

बस्तर की कहानियाँ लिखूं तो क्या लिखूं?
बस्तर की जिंदगी की कहानियाँ लिखूं,
बस्तर की संघर्ष की कहानियाँ लिखूं।

राजिम कुंभ कल्प में पहुंचे निराहारी बाबा, पंद्रह सालों से अन्न का एक दाना नहीं किया ग्रहण

लोगों के शारीरिक व मानसिक कष्ट का निवारण करते हैं सहजता से

पंदरा साल ले अन्न के दाना,
नइ खाए के करत हे दावा।
अंधभक्त हो सर्त लगा लो,
निकाल देहूं मैं एखर हावा।।
दू हफ्ता निगरानी कर लो,
ये लबरा के खुली पोल।
लोटा धर के पक्का जाही,
फुट जाही तब एखर ढोल।।

लक्ष्मी नारायण कुम्भकार सचेत दुर्ग (छ.ग.)

सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासाकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना बालक इकाई के सात दिवसीय विशेष सिविर का आज दिनांक 13 2 2025 को समापन कार्यक्रम किया गया जिसमें राज्य एन एस एस प्रशिक्षक श्री राहुल परिहार जी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ आनंत सक्सेना जी बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल एवं जिला संगठक डॉक्टर दिग्विजय सिंह खत्री उपस्थित रहे श्री राहुल परिहार जी ने स्वयं सेवकों को अपने अनुभव सुनाएं एवं एन एस एस का महत्व बताया एवं स्वयंसेवकों को शिविर प्रमाण पत्र एवं मेडल वितरित किए अंत में कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर एस के दिवाकर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई द्वारा लगाया जा रहा है सात दिवसीय कैंप

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासाकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाना है जो 28/02/2025 से 06/03/2025 तक चलेगा। इसके लिए कार्यक्रम संयोजक अधिकारी डॉ ईरा वर्मा जी ने आज विशेष मीटिंग का आयोजन किया गया।

मध्यप्रदेशः लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग का उभरता मास्टर हब

लॉजिस्टिक्स-कनेक्टिंग एमपी टू द वर्ल्ड सेशन में विशेषज्ञों ने किए विचार व्यक्त

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के दूसरे दिन 'लॉजिस्टिक्स- कनेक्टिंग एमपी टू द वर्ल्ड' सत्र में मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ। इस अवसर पर विशेषज्ञों और अधिकारियों ने औद्योगिक कॉरिडोर, डिजिटल एकीकरण, निवेश अवसरों और लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार पर अपने विचार साझा किए। मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स ईज अक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स (एलईएडीएस) इंडेक्स में 'फास्ट मूवर' के रूप में उभरते हुए इस क्षेत्र में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। नियमों को सरल बनाने, एमएसएमई को बढ़ावा देने और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने से प्रदेश एक लॉजिस्टिक पॉवर हाउस बनाने की ओर अग्रसर है। ऊर्जा दक्षता, इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार और अत्याधुनिक तकनीकों के समावेश से मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स सेक्टर में नई संभावनाएं सृजित कर रहा है।

लॉजिस्टिक्स पॉवर हाउस में बदलता मध्यप्रदेश

सेशन की शुरुआत में एनवीडी विभाग के सचिव, श्री जॉन किंग्सले ने प्रदेश में लॉजिस्टिक्स सेक्टर के मौजूदा परिदृश्य और नए निवेश अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश मजबूत परिवहन नेटवर्क, मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स ईकोसिस्टम के व्यापक विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्तमान में मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स का पावर हाउस बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के मध्य स्थित होने की वजह से रोड रेल और एयर कनेक्टिविटी आसान हो गई है। सीईओ एनआईसीडीसी एवं चेयरमैन एनएलडीएसएल, राजत कुमार सैनी ने लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में औद्योगिक कॉरिडोर और डिजिटल टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन की भूमिका पर विशेष संबोधन दिया।

हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं द्वारा दिया गया वार्षिक परीक्षा का पहला पेपर

शाहगंज। शासकीय हाई स्कूल खटपुरा के छात्र-छात्राओं द्वारा गुरुवार को हाई कोर्ट वार्षिक परीक्षा का पहला पेपर दिया गया स्कूल के प्राचार्य श्री कप्तान सिंह चौहान सहित स्कूल के समस्त शिक्षकों ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला निष्पादन समिति द्वारा की जा रही है जिले में मदिरा दुकानों के निष्पादन की कार्यवाही।

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय पत्रकार

रायसेन। मध्यप्रदेश शासन की नवीन आबकारी नीति के अनुसार जिला रायसेन के 20 मदिरा समूह के मूल्य में 20 प्रतिशत की वृद्धि की जाकर रूपये 3763938588 / - का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जो कि नवीनीकरण, लॉटरी, टेण्डर तथा टेण्डर एवं नीलामी के द्वारा निष्पादित किया जायेगा। इसके साथ ही यह शर्त भी जोड़ी गयी है कि नवीनीकरण एवं लॉटरी के साथ राजस्व लक्ष्य का 80 प्रतिशत प्राप्त होने पर ही उसे स्वीकृत किया जायेगा । निष्पादन का कार्य रायसेन कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में जिला निष्पादन समिति द्वारा किया जा रहा है। इन निर्देशों के पालन में सर्वप्रथम 21 फरवरी को नवीनीकरणों के आवेदन प्राप्त करते हुए लक्ष्य का 69.47 प्रतिशत राजस्व प्राप्त किया गया। आज दिनांक 27 फरवरी को शेष रहे 04 समूहों पर लॉटरी आमंत्रित की गयी जिसमें से 02 समूहों मण्डीदीप एवं दीवानगंज पर लॉटरी आवेदन प्राप्त हुए । इस प्रकार रायसेन जिले को कुल 3356723378/- रूपये जो कि कुल राजस्व का 89.18 प्रतिशत है, प्राप्त हो चुका है।

सहायक आबकारी आयुक्त जिला रायसेन श्रीमति वंदना पाण्डेय द्वारा बताया गया है कि जिले में मात्र 02 मदिरा समूह औबेदुल्लागंज एवं नकतरा ही शेष है जिनका निष्पादन ई-टेण्डर के माध्यम से निष्पादन की कार्यवाही की जावेगी एवं जिले के निर्धारित आरक्षित मूल्य को प्राप्त किया जायेगा।

संघर्ष से सफलता तक : प्रियंका जाटव की 30 जिलों की प्रेरणादायक यात्रा

प्रियंका जाटव का प्रेरणादायक सफ़रः मध्य प्रदेश में एससी, एसटी युवाओं को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल

नागेश नरवरिया भोपाल

समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए संकल्पित लोग कभी भी परिस्थितियों से हार नहीं मानते। मध्य प्रदेश में एससी, एसटी युवाओं को संगठित करने के उद्देश्य से निकला प्रियंका जाटव का सफ़र भी इसी जज़्बे का प्रतीक है। अकेले एक महिला द्वारा 30 जिलों की यात्रा करना, तमाम मुश्किलों का सामना करते हुए समाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग को जोड़ने का प्रयास करना, यह एक असाधारण उपलब्धि है। यह सफर केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि एक क्रांति थी, जो समाज के हाशिए पर खड़े युवाओं को एक नया संबल देने का प्रयास कर रही है। यात्रा का उद्देश्य और सामाजिक योगदान प्रियंका जाटव ने इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के एससी, एसटी युवाओं को एकजुट करना और उन्हें एक संगठित शक्ति में बदलना रखा था। उन्होंने महसूस किया कि इन युवाओं के बीच संवादहीनता और अवसरों की कमी एक बहुत बड़ी बाधा है, जिसे दूर करना आवश्यक है। इसी संकल्प को लेकर उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा किया, वहां के युवाओं से सीधा संवाद स्थापित किया और उन्हें संगठित होने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने उन तमाम गैप्स (ख़ाली जगहों) को भरा, जो वर्षों से उपेक्षित थे। युवा शक्ति को जागरूक करने के लिए उन्होंने कठिनाइयों को नजरअंदाज कर आगे बढ़ने का निश्चय किया। यह केवल एक अभियान नहीं था, बल्कि एक सामाजिक चेतना आंदोलन था, जो हजारों युवाओं को नई दिशा देने की ओर अग्रसर हुआ।

यात्रा की चुनौतियाँ और प्रियंका जाटव का अदम्य साहस

एक महिला के लिए अकेले इतनी लंबी यात्राएं करना स्वयं में एक चुनौती है। यह सफर शारीरिक, मानसिक और आर्थिक सभी प्रकार की कठिनाइयों से भरा हुआ था। ट्रेन में रिज़र्वेशन न मिलना, रातभर खड़े होकर यात्रा करना,

बिना नींद पूरी किए दिनभर सभाओं में संबोधन करना, आर्थिक परेशानियों का सामना करना, भोजन के अभाव में भूखे रहना–इन सभी कठिनाइयों के बावजूद उनका संकल्प अडिग रहा।

प्रियंका जाटव के इस सफर में स्थानीय जिलों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। हर जिले में अजाक्स (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संघ) के जिला अध्यक्षों और उनकी टीम ने भरपूर सहयोग दिया। उन्होंने युवाओं को संगठित करने में पूरी ऊर्जा लगा दी और इस अभियान को एक जन आंदोलन का रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रियंका जाटव की उपलब्धियाँ और उनका ऐतिहासिक योगदान

इस यात्रा का सबसे बड़ा परिणाम यह रहा कि एससी, एसटी युवाओं को एकजुट कर उन्हें एक मजबूत मंच प्रदान किया गया। यह प्रयास केवल वर्तमान को सुधारने के लिए नहीं, बल्कि आने वाले भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण था। इस अभियान ने युवाओं में आत्मविश्वास जगाया, उन्हें अपने अधिकारों और अवसरों के प्रति जागरूक किया और सामाजिक परिवर्तन की नई लहर पैदा की।

प्रियंका जाटव की प्रमुख उपलब्धियाँ-

1.30 जिलों की यात्रा पूरी की- यह कोई साधारण उपलब्धि नहीं थी। एक अकेली महिला द्वारा इतने जिलों की यात्रा करना और हर जिले में युवाओं को संगठित करना, यह एक ऐतिहासिक पहल थी।

2.एससी, एसटी युवाओं को जोड़ने का अभियान- उन्होंने उन युवाओं तक पहुंच बनाई जो अब तक शासन-प्रशासन और सामाजिक संगठनों से कटे हुए थे।

3.अजाक्स का सहयोग एवं नेटवर्किंग - इस यात्रा में अजाक्स की जिला इकाइयों को सक्रिय किया गया, जिससे यह अभियान और अधिक प्रभावी हुआ।

4.आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ना - कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने अपने उद्देश्य से कभी समझौता नहीं किया।

5.युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनीं - उनके संघर्ष और साहस ने कई युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

यात्रा का प्रभाव और आगे का सफर

प्रियंका जाटव का यह सफर केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक आंदोलन था। उन्होंने दिखाया कि अगर संकल्प मजबूत हो तो परिस्थितियाँ आपको रोक नहीं सकतीं। एससी, एसटी युवाओं के लिए यह पहल आगे भी जारी रहेगी। इस यात्रा ने उन्हें संगठित कर उनके भीतर एक नई चेतना जगाई, जो उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहेगी। इस यात्रा की सबसे खास बात यह थी कि इसमें भावनात्मक लगाव और आत्मीयता की भावना थी। प्रियंका जाटव को हर जिले में अपनों जैसा प्यार और सहयोग मिला, जिसने उन्हें आगे बढ़ने की शक्ति दी। उनकी यही भावना इस अभियान को एक व्यापक आंदोलन का रूप देने की क्षमता रखती है। आज जब समाज में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात की जाती है, तब प्रियंका जाटव जैसी महिलाओं के उदाहरण हमें यह सिखाते हैं कि इच्छाशक्ति के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उनकी यह यात्रा, जो चुनौतियों और संघर्षों से भरी रही, यह साबित करती है कि बदलाव के लिए दृढ़ निश्चय और अथक परिश्रम आवश्यक होता है।

निष्कर्ष

प्रियंका जाटव ने मध्य प्रदेश के 30 जिलों की यात्रा कर एससी, एसटी युवाओं को संगठित करने का जो कार्य किया, वह किसी भी सामाजिक आंदोलन से कम नहीं है। कठिनाइयों और अभावों के बावजूद, उन्होंने अपने संकल्प को टूटने नहीं दिया और एक मजबूत, संगठित युवा शक्ति को तैयार करने में अपनी भूमिका निभाई। यह सफर केवल यहीं नहीं रुकेगा। यह आगे भी जारी रहेगा, और यह अभियान प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में एक नई चेतना लाने का काम करेगा। प्रियंका जाटव ने यह दिखा दिया कि अगर मन में सच्ची लगन हो, तो कोई भी बाधा आपको रोक नहीं सकती। उनका संघर्ष और सफलता आने वाले वर्षों में कई और युवाओं को प्रेरित करेगी और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

मप्र में जंगलों का भी होगा प्राइवेटाइजेशन

वनों की स्थिति को सुधारने पीपीपी मॉडल अपनाएगी सरकार

__भोपाल।__ मप्र में अब जंगलों का भी प्राइवेटाइजेशन होगा। मोहन यादव सरकार राज्य के 40 फीसदी जंगलों को निजी हाथों में देने की तैयारी में है। दरअसल, वनों की स्थिति को सुधारने के नाम पर सरकार बिगड़े वन क्षेत्र को पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप मॉडल के तहत निजी कंपनियों को देने की तैयारी में है। मप्र में वन क्षेत्र लगभग 95 लाख हेक्टेयर है। इसमें बिगड़े वनों का क्षेत्रफल लगभग 37 लाख हेक्टेयर है। यानि वन का करीब 40 फीसदी भूभाग बिगड़े वन क्षेत्र की श्रेणी में है। प्रदेश के इन वनों का सुधार अब पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) माध्यम से होगा। इसके लिए कई जंगल अब निजी हाथों में सौंपे जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा छोटे निवेशकों को 10 हेक्टेयर और बड़े निवेशकों को 1000 हेक्टेयर तक की जमीन पर जंगल विकसित करने के लिए आमंत्रित किया गया है। निजी कंपनियों को यह जमीन 60 साल की लीज पर दी जा रही है। राज्य सरकार का दावा है कि जो बिगड़े हुए वन हैं जिन्हें निजी निवेश से सुधारने की कोशिश की जाएगी। 37 लाख हेक्टेयर बिगड़े वन मप्र सरकार ने वन विभाग की वेबसाइट पर सीएसआर, सीईआर और अशासकीय निधियों के उपयोग से वनों की पुनर्स्थापना की नीति जारी की है। इसमें बताया गया है कि मप्र में लगभग 95 लाख हेक्टेयर में जंगल हैं। इनमें से 37 लाख हेक्टेयर जंगल बिगड़े हुए वनों की स्थिति में है। इन जंगलों को राज्य सरकार अपने संसाधनों से पुनर्स्थापित नहीं कर पा रही है। राज्य सरकार ने अपनी नीति में लिखा है कि वह इन जंगलों को निजी हाथों में देने जा रहे हैं। इन जंगलों को फिर से हरा भरा करने के लिए बड़ी कंपनियों के कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी और कॉपोर्रेट एनवायरमेंटल रिस्पांसिबिलिटी के फंड का इस्तेमाल किया जाएगा। बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों को इन दोनों मदों में अपनी कुल कमाई का 3 प्रतिशत देना होता है। 60 सालों तक निजी हाथों में रहेगा जंगल राज्य सरकार ने अपनी नीति में बताया है कि एक कंपनी, संस्था, व्यक्ति या स्वयंसेवी संस्था को 10 हेक्टेयर तक का बिगड़ा जंगल दिया जाएगा। ये जंगल का हिस्सा अगले 60 सालों तक निजी हाथों में रहेगा। राज्य सरकार के वन विभाग और जिसे जंगल दिया जा रहा है उसके बीच में एक अनुबंध होगा। इस अनुबंध के तहत अनुबंध के पहले ही साल में जंगल सुधारने की गतिविधि शुरू करनी होगी। वन भूमि का इस्तेमाल दूसरे किसी काम में नहीं किया जाएगा। वन विभाग की सहमति से इस पूरे इलाके में पौधे लगाने होंगे। और यदि 2 साल के भीतर पौधे नजर नहीं आएंगे तो अनुबंध रद्द भी किया जा सकता है। वन उपज वन विभाग के माध्यम से बेची जाएगी हालांकि इसका आधा फायदा उस संस्था को भी दिया जाएगा, जिसने इस जंगल को विकसित किया है। वहीं दूसरी तरफ निजी कंपनी या संस्था को कार्बन क्रेडिट का मुनाफा मिलेगा। पर्यावरण खराब करने वाली कंपनियों को कार्बन क्रेडिट बढ़ाने की जिम्मेदारी है। इसी नीति में एक प्रस्ताव यह भी है कि, 1000 हेक्टेयर तक के जंगल को यदि कोई निजी कंपनी विकसित करना चाहेगी तो निजी निवेश के माध्यम से वनों की पुनर्स्थापना का भी प्रस्ताव है। इस जंगल से जो भी वन उपज प्राप्त होगी उसका 20 प्रतिशत भाग वन समिति को 80 प्रतिशत वन विकास निगम और निजी कंपनी को मिलेगा। इस प्रस्ताव में भी फल वनोपज का 50 प्रतिशत हिस्सा निजी कंपनी को मिलेगा। बता दें कि बिगड़ा वन क्षेत्र उसे माना जाता है, जिसमें पेड़ कम हों और झाडि ?ां या खाली जमीन अधिक हो। हालांकि, इस निर्णय का विरोध भी हो रहा है। विपक्षी दल कांग्रेस ने इस योजना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। कांग्रेस प्रवक्ता आनंद जाट ने कहा कि सुधार के नाम पर वनों को बेचने की तैयारी है। जंगल की जमीन पर आदिवासियों का पहला हक है। लेकिन भाजपा सरकार आदिवासियों से जंगल छीन अपने उद्योगपति मित्रों को देना चाहती है।

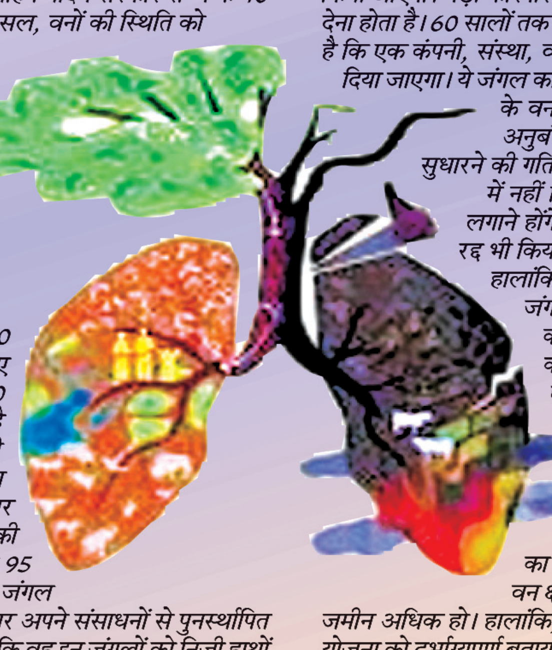

नीति में कई खामियां

पर्यावरणविद् और वन प्रबंधन के जानकार जयंत वर्मा का कहना है कि इस नीति में कई लूप पोल हैं। सरकार जिस जमीन को निजी हाथों में देने जा रही है उसके निजीकरण के पहले केंद्र सरकार से अनुमति लेनी होगी क्योंकि वन भूमि केंद्र का मामला है। इसमें राज्य सरकार अपने मन से कुछ नहीं कर सकती। निजी कंपनियों को इस बात से कोई मतलब नहीं है कि पर्यावरण सुधरे या वनों की स्थिति सुधरे या फिर उसे क्षेत्र में रहने वाले आदिवासियों का भला हो। निजी कंपनियां तो अपना भला देखेंगी और वह ऐसे पेड़ पौधों का उत्पादन करेंगी, जिनसे ज्यादा मुनाफा होगा। इससे हो सकता है कि वन उपज बढ़ जाए लेकिन पर्यावरण सुधरने की कोई उम्मीद नहीं है। पर्यावरणविद् जयंत वर्मा का कहना है कि इस नीति में जिन बिगड़े वनों की बात की जा रही है, यदि वे किसी गांव के आसपास हैं तो ग्राम सभा की अनुमति लेनी होगी लेकिन यह दिखावा होगा। वहीं बिगड़े वनों की परिभाषा भी स्पष्ट नहीं है। शासन के नजरिए से जिस जमीन पर कीमती इमारती लकड़ी नहीं है वह बिगड़ा जंगल मान लिया जाता है। भले ही उसमें आदिवासियों के उपयोग की या पर्यावरण के लिए जरूरी पेड़ पौधे ही क्यों ना लगे हो। पर्यावरणविद् जयंत वर्मा का कहना है कि इससे जंगलों की स्थिति तो नहीं सुधरेगी पर यह जरूर है कि कंपनियां जंगलों में ईको टूरिज्म जरूर शुरू कर देंगी। भारत में वन अधिनियम अंग्रेजों के जमाने में बना था और अंग्रेजों ने इसे जंगलों को विकसित करने के लिए नहीं बल्कि वन उपज कैसे निकली जाए उसके लिए कानून बनाया था।

केंद्रीय मंत्री चौहान महाशिवरात्रि पर शिव भक्ति के रंग में दिखे, ''शिव जी की बारात'' में...

शिरकत करते हुए की पूजा-अर्चनां

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान महाशिवरात्रि के मौके पर आज शिव भक्ति में लीन नजर आए। राजधानी भोपाल में उन्होंने ''शिव जी की बारात'' में शिरकत करते हुए पूजा अर्चना की। महाशिवरात्रि के मौके पर भगवान भोलेनाथ की शिव बारात निकाली जा रही है, जिसमें शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए और उन्होंने भगवान का रथ खींचा। **भगवान का रथ खींचा-** शिवरात्रि के मौके पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की। शिवराज सिंह चौहान शिव बारात में शामिल हुए और भगवान का रथ भी खींचा। इस दौरान शिवराज के साथ मंत्री विश्वास सारंग भी मौजूद रहे। शिव बारात में शामिल होने के बाद शिवराज ने कहा कि भगवान शिव और माता पार्वती के चरणों में प्रणाम है। भगवान

भोलेशंकर अद्भुत भगवान है। दुनिया में जिसको सब ठुकरा दे, भोले शंकर उसको भी अपनाते हैं। भूत, पिशाच, देवता, दानव सब पर उनका आशीर्वाद बरसता है। विश्व के कल्याण के लिए जो अपने गले में विष धारण कर ले ऐसे नीलकंठ हैं भगवान भोले शंकर हैं। आज महाशिवरात्रि है, शिव और शक्ति के मिलन का दिन है। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि भगवान भोलें शंकर और मां पार्वती सब पर कृपा आशीर्वाद की वर्षा करें। सब सुखी हो,सब निरोग हो, सबका मंगल हो,सबका कल्याण हो।

राइस मिल संचालक को आयकर ने भेजा समन

सर्वे टीम ने जब्त किए दस्तावेज, 15 करोड़ रुपए तक की टैक्स चोरी आ सकती है सामने

भोपाल। आयकर विभाग को भोपाल के एक राइस मिल संचालक और होटल में निवेश करने वाले कारोबारी की तलाश है। यह राइस मिल संचालक और कारोबारी दुबई में है। विभाग के अफसर उसके भोपाल लौटने का इंतजार कर रहे हैं। ताकि उसे 15 से 20 करोड़ रुपए के कर अपवंचन के मामले में आय के स्त्रोत की जानकारी ली जा सके। टैक्स चोरी का सही आंकड़ा तय किया जा सके। राइस मिल संचालक और होटल कारोबारी एक दो दिन में भोपाल लौटने वाला है। राइस मिल के संचालक ताहिर अली की रायसेन रोड पर रायल ग्रेन्स मिल और एयरपोर्ट रोड पर सफायर ग्रुप के नाम से संचालित होटल में हिस्सेदारी है। आयकर विभाग के अफसरों ने 20 फरवरी को इस कारोबारी के यहां सर्वे शुरू किया था। इस सर्वे के दौरान अली के बेटे ने आयकर विभाग के अफसरों से टैक्स चोरी की दायरे में आने वाली रकम को लेकर कहा है कि इसकी जानकारी पिता ही दे सकते हैं जो दुबई

में मेले में शामिल होने गए हैं। इसके बाद आयकर अफसरों को अली के दुबई से लौटने का इंतजार है। माना जा रहा है कि अली दुबई में लगे मेले में चावल के बिजनेस से संबंधित कारोबार में शामिल होने गया है। उसके यहां सर्वे की कार्यवाही पूरी हो गई है और आयकर विभाग ने समन जारी कर बयान देने के लिए तलब किया है। **15 से 20 करोड़ की टैक्स चोरी की आशंका-** आयकर विभाग को आशंका है कि इस कारोबारी के यहां हुए सर्वे के बाद टैक्स चोरी का आंकड़ा 15 से 20 करोड़ के बीच हो सकता है। लेकिन राशि सरेंडर कराने के पहले विभाग अली के बयान लेना चाहता है। आयकर की जांच के दौरान राइस मिलर और एक्सपोर्टर के यहां हुई पड़ताल में ऑफिस और कारखाने में वित्तीय गड़बड़ी के सबूत मिले हैं। उसके सेल्स, परचेजिंग रिकाड्र्स, स्टॉक और खर्च से जुड़े दस्तावेजों में गड़बड़ी पाई गई है। खासतौर पर स्टॉक वैल्यूएशन में गड़बड़ी के गंभीर मामले हैं। यह भी सामने आया है कि कम्पनी ने कई संस्थाओं से लोन लिया है। जिनकी फाइनेंशियल स्टेटस अच्छा नहीं है। इसके चलते करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी के वित्तीय रिकॉर्ड जब्त किए हैं। इस ग्रुप द्वारा एकाउंटिंग में भी गड़बड़ी की गई है। राइस मिल संचालक अली के बारे में यह भी जानकारी मिली है कि एयरपोर्ट रोड पर स्थित सफायर ग्रुप के होटल में भी इसकी 75 प्रतिशत हिस्सेदारी है और यहां भी ढाई से तीन करोड़ रुपए की टैक्स चोरी इन्वेस्टमेंट के रूप में सामने आना तय है लेकिन विभाग टैक्स चोरी का फाइनल आंकड़ा अली के बयान के बाद ही तय करेगा।

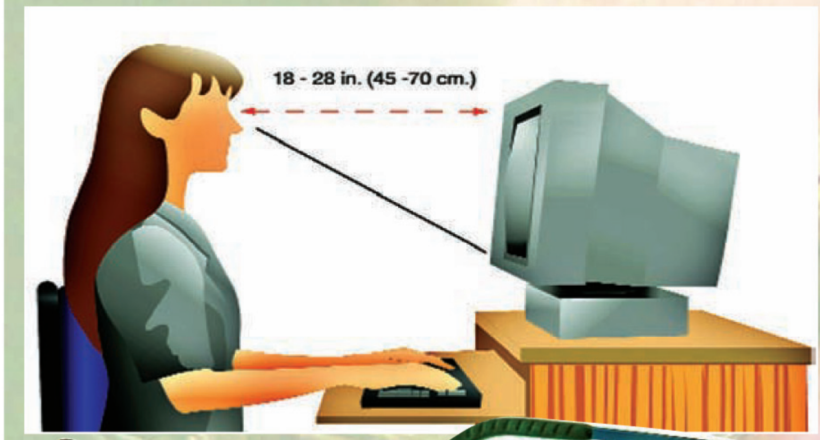

आंखों में तनाव से होता है मसल्स स्ट्रेन

अगर आप कई घंटों तक लगातार कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं। या ऑफिस में लगातार 10 से 12 घंटे बैठे हैं तो आप जरा संभल जाएं। आपको आई स्ट्रेन का खतरा हो सकता है।

आई स्ट्रेन यानी आंखों का तनाव एक आम समस्या है। कंप्यूटर या लैपटॉप पर लगातार काम करने और ज्यादा टीवी देखने के अलावा ऐसे कई और काम हैं, जिनके कारण यह समस्या आ सकती है। आई स्ट्रेन दरअसल आंखों को कंट्रोल करने वाली मसल्स का स्ट्रेन होता है। जिन एक्टिविटीज में लंबे समय तक एक ही चीज पर आंखों को फोकस करना होता है, उनमें स्ट्रेन हो सकता है।

बीमारी के प्रमुख लक्षण

- कंप्यूटर का इस्तेमाल।
- टीवी या मोबाइल की स्क्रीन लगातार देखना।
- ज्यादा चमकदार चीजों को देखना।
- सही नंबर का चश्मा न पहनना।
- स्ट्रेस।
- थकान।
- अल्कोहल या ड्रग्स का इस्तेमाल।
- आंखों में दर्द।
- सिर में दर्द या माइग्रेन।
- नजर कमजोर होते जाना और चश्मे के नंबर में बार-बार बदलाव।
- एक की दो चीजें नजर आना।
- आंखों में सूखापन।

बीमारी से कैसे करें बचाव

अगर कंप्यूटर पर काम कर रहे हैं या टीवी देख रहे हैं, तो काम के साथ-साथ ट्वंटी-ट्वंटी भी खेलते रहें।

इसके लिए करीब 20 मिनट तक लगातार स्क्रीन पर फोकस करने के बाद 20 सेकंड के लिए नजर वहां से हटाएं और अपने से 20 फुट की दूरी पर स्थित किसी चीज पर फोकस करें। इसके अलावा काम के दौरान हर घंटे आंखों को पांच मिनट के लिए आराम दें। हर दो घंटे के बाद सीट से उठ जाएं और कुछ चलने-फिरने का काम निबटा लें।

अगर आप बच्चों को डिब्बाबंद नाश्ता दे रहे हैं तो ठहर जाइए, जंकफूड से बच्चों की बुद्धि क्षमता कम होती है।

ब्रिटेन में 4000 बच्चों पर हुए एक शोध में पाया गया कि चार वर्ष से कम उम्र के वे बच्चे जो परिष्कृत खाद्य पदार्थ, वसा और शर्करा का सेवन करते हैं, उनके मस्तिष्क की क्षमता साढ़े आठ वर्ष की उम्र में पहुंचने पर कम हो गई।

- **सोचने की क्षमता अवरुद्ध :** बच्चों की आईक्यू में 1.67 की दर से गिरावट उनके द्वारा सेवन किए गए परिष्कृत वसा को आईक्यू चार्ट को प्रतिबिंबित करेगा। इस क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती, मसलन चार और सात वर्ष की आयु के बच्चों का खानपान उनके आईक्यू के स्तर पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा।
- **खानपान पर निगरानी :** ब्रिटेन के ब्रिस्टल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा कई वर्षों में किए गए अध्ययन में तीन, चार, सात और साढ़े आठ वर्ष के बच्चों के खानपान पर निगरानी रखी गई। शोध की अगुवाई करने वाली ब्रिस्टल विश्वविद्यालय की डाक्टर केट नार्थस्टोन ने बताया कि ब्रिटिश बच्चों की खानपान की आदत काफी खराब है, ये बाल्यावस्था में अधिक मात्रा में परिष्कृत, वसायुक्त और शर्करायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं जो कि साढ़े आठ वर्ष की आयु में कम आईक्यू का कारण हो सकता है। पुष्ट आहार अच्छे आईक्यू का कारण हो सकता है। इस बात की संभावना है कि बाल्यावस्था में अच्छा खान पान दिमाग के विकास में सहायक होता है।

आंखों के लिए ये हैं बेहतर टिप्स

- अगर आंखें पास की चीजों पर फोकस करती हैं, तो उन्हें ज्यादा काम करना पड़ता है। ऐसे में बीच-बीच में दूर की चीजों पर नजर फोकस करना जरूरी है।
- कंप्यूटर फ्लैट स्क्रीन वाला हो, तो बेहतर है। उनसे आंखों को कम नुकसान पहुंचता है।
- हो सके तो कंप्यूटर स्क्रीन पर एंटीग्लेयर फिल्टर का इस्तेमाल करें।
- कंप्यूटर की स्क्रीन उस तरफ करके न रखें, जहां से रोशनी का रिफ्लेक्शन स्क्रीन पर पड़ता हो।
- मॉनिटर के ऊपर जमी धूल को रोजाना साफ करें।
- कंप्यूटर पर काम करते वक्त रोशनी की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए।
- कंप्यूटर या लैपटॉप की स्क्रीन आपकी आंखों से भरपूर दूरी पर होनी चाहिए। यह दूरी 20 इंच के करीब रख सकते हैं।
- नॉन-रिफ्लेक्टिव इंटरफेस का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा करें। नॉन-रिफ्लेक्टिव इंटरफेस का मतलब है ऐसी सतह, जिससे कम-से-कम चमक आंखों पर पड़ती हो।
- अगर कुछ आप पेपर या मैगजीन से पढ़ सकते हैं, तो उसे ऑनलाइन पढ़ने की कोशिश न करें। पेपर पर पढ़ने से स्क्रीन पर पढ़ने के मुकाबले आंखों की मसल्स को कम मेहनत करनी पड़ती है।
- मोबाइल की स्क्रीन के रिफ्लेक्शन को कम करके रखें, जिससे आंखों पर कम चमक पड़े।
- जिस जगह टीवी देख रहे हैं, वहां रोशनी की भरपूर व्यवस्था होना चाहिए।
- लेटकर टीवी कभी न देखें। इससे आंखों का एंगल अलग-अलग हो जाता है, जिससे दिक्कत होती है।
- स्क्रीन पर लगातार काम करने वाले लोगों को अपनी नजर रेग्युलर चेक कराते रहना चाहिए।
- चश्मे का अगर कम-से-कम नंबर भी है तो उसे जरूर लगाएं। 0.25 नंबर है, तो भी उसे जरूर लगाना चाहिए।
- अगर पहले से चश्मे का इस्तेमाल करते हैं, तो भी यह चेक कराते रहें कि चश्मे का नंबर बढ़ तो नहीं गया है। गलत नंबर का चश्मा लगाना सिर और आंखों में दर्द होने की वजह हो सकता है, इसलिए आंखों के नंबर को नजरअंदाज न करें।

आईक्यू को कम करता है जंकफूड

हरभजन सिंह ने हिंदी भाषा को 'अजीब' बताने वालों को बोलने लायक नहीं छोड़ा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा का मजाक उड़ाने वालों की धज्जियां उड़ा दी है। दिग्गज गेंदबाज ने हिंदी भाषा को अजीब बताने वाले यूजर्स को करारा जवाब दिया। दरअसल सोशल मीडिया पर एक यूजर ने हिंदी भाषा का मजाक उड़ाते हुए हिंदी कमेंट्री को काफी अजीब बताया था। यूजर का कहना है था कि हिंदी कमेंट्री इस खूबसूरत ग्रह पर सबसे अजीब चीजों में से एक हो सकती है।

इस पोस्ट को देखकर भज्जी भड़क गए और उन्होंने यूजर को मुंहतोड़ जवाब दिया. हरभजन ने यूजर को कहा कि उसे इसके लिए शर्म आनी चाहिए। हरभजन का जवाब काफी वायरल हो रहा हे। वह इस वक्त चैंपियंस ट्रॉफी के सिलसिले में दुबई में हैं। भारत ने इस टूर्नामेंट में अपने अभियान का शानदार आगाज किया और ग्रुप स्टेज के शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। रोहित शर्मा एंड कंपनी ने बांग्लादेश को छह विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। इसके बाद दुबई में पाकिस्तान को भी छह विकेट से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बना। भारतीय टीम दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप मैच खेलेगी। भारतीय टीम की नजर तीसरी बार इस खिताब को जीतने पर है। भारत ने साल 2000 और 2013 में खिताब जीता था।

एबी इनबेव ने 2032 तक बढ़ाई ओलंपिक साझेदारी

लुसाने। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने सोमवार को घोषणा की कि वैश्विक शराब निर्माता एबी इनबेव ने अपनी विश्वव्यापी ओलंपिक साझेदारी (टॉप पार्टनरशिप) को 2032 तक बढ़ा दिया है।

शुरुआत में इस साझेदारी पर जनवरी 2024 में लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए हस्ताक्षर किए गए थे। अब यह साझेदारी 2030 शीतकालीन ओलंपिक (फ्रेंच आल्प्स) और ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक तक विस्तारित कर दी गई है।

आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा, ÷हम अपनी साझेदारी को 2032 तक बढ़ाने के लिए एबी इनबेव के साथ सहमत होकर प्रसन्न हैं। पेरिस 2024 में ओलंपिक खेलों का पहला अनुभव लेने के बाद, एबी इनबेव ने अपने कोरोना सेरो मार्केटिंग अभियानों के माध्यम से शानदार ओलंपिक जश्न मनाया, जिससे दुनियाभर के प्रशंसकों को खुशी मिली।÷

एबी इनबेव के सीईओ मिशेल डौकेरिस ने कहा, ÷पेरिस 2024 ओलंपिक ने खेलों के वैश्विक महत्व और पहुंच को और मजबूत किया। हम आईओसी के साथ अपने संबंधों को 2032 तक बढ़ाने में प्रसन्न हैं और बीयर श्रेणी को सक्रिय रखते हुए खेल प्रशंसकों को जोड़ने की योजना बना रहे हैं।÷

विकल्प को लेकर बोले थरूर- बीजेपी में नहीं जाऊंगा उनकी विचारधारा अलग

राजनीति में पार्टी के लिए जरूरी है वह विचार और सिद्धांत रखे

एजेंसी | नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने साफ कहा है कि वह बीजेपी में शामिल नहीं होंगे। खास बात है कि थरूर ने हाल ही में कह दिया था कि अगर कांग्रेस को उनकी जरूरत नहीं है, तो उनके पास कई विकल्प हैं। इसके साथ ही उनके कांग्रेस छोड़ने की अटकलें भी तेज हो गई थी, जिसका बाद में थरूर ने खंडन भी किया था। शशि थरु ने बीजेपी में शामिल होने से साफ इनकार कर दिया है और इसकी वजह विचारधारा में अंतर होना बताया है। उन्होंने कहा कि हर पार्टी की अपनी मान्यताएं और इतिहास है। अगर आप उनकी मान्यताओं को नहीं मान सकते, तो किसी अन्य पार्टी में जाना गलत है। मुझे नहीं लगता कि यह सही है, लेकिन स्वतंत्र होने का विकल्प

हमेशा खुला है। उन्होंने कहा कि आज के राजनीतिक माहौल में मुझे लगता है कि सभी को पार्टी की, संगठन की, वाहन की जरूरत है जो उनके विचारों को आगे ले जाएं। राजनीति में एक पार्टी के लिए जरूरी है कि वह कुछ विचार और सिद्धांत रखे। नहीं तो विचारधारा या घोषणापत्र का कोई फायदा नहीं। थरूर ने कहा पार्टी एक वाहन होता है। इसमें संगठनात्मक शक्ति होना जरूरी है, ताकि मूल्यों को आगे ले जाया जा सके और उन सिद्धांतों के साथ ताकत हासिल की जा सके।

राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी ने इसे आगे बढ़ाने की क्षमता दिखाई है, जो हम कई राज्यों में नहीं दोहरा सके। केरल में सीपीआईएम ने बीते दो चुनाव में अपनी क्षमता दिखाई है और मुझे इस पर बात करने में कुछ गलत नहीं लगता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर बूथ पर संगठनात्मक कमी, कार्यकर्ताओं की कमी से जूझ रही हैं। हम कैडर आधारित पार्टी नहीं हैं। हमारे पास कई नेता हैं, लेकिन हमारे पास कार्यकर्ताओं की कमी है। शादी के सवाल पर थरूर ने कहा कि उन्होंने जीवन में बहुत अनुभव ले लिया है। अब वह शादी नहीं करेंगे। बीते 10 सालों से मैं अकेला हूं।

बाघिन ने दो ग्रामीणों पर किया हमला, फिर गांववालों ने पीट-पीटकर मार डाला

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी में दुधवा टाइगर रिजर्व के बफर जोन के एक गांव में भटककर पहुंची बाघिन ने दो स्थानीय ग्रामीणों पर हमला किया था। गुस्साए स्थानीय लोगों ने दो साल की बाघिन को बुधवार को कथित तौर पर मार डाला। दुधवा बफर जोन के उपनिदेशक ने बताया कि वन अधिकारियों ने पलिया तहसील के गांव से बाघिन के शव को बरामद कर रेंज मुख्यालय भेज दिया है। उन्होंने बताया कि वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत पलिया पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घायल गांवों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी हालत स्थिर है। अधिकारी ने कहा कि जानवर का पोस्टमार्टम राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया और विसरा को विस्तृत विश्लेषण के लिए आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, बरेली भेजा गया है।

उद्योगपतियों ने की पंजाब सीएम से शंभू बॉर्डर खोलने की मांग

एजेंसी | चंडीगढ़

विधानसभा में मंत्री अमन अरोड़ा द्वारा शंभू बॉर्डर खोलने का मुद्दा उठाने के बाद जालंधर के उद्योगपतियों ने पंजाब सीएम भगवंत मान के सामने यह मुद्दा उठाया। सीएम के सरकारी आवास पर हुई बैठक में उद्योगपतियों ने शंभू बॉर्डर बंद होने की वजह से उद्योग और व्यापार पर होने वाले असर के बारे में सीएम को जानकारी दी। इस दौरान उद्योगपतियों ने सीएम को मांग-पत्र भी सौंपा। उद्योगपतियों ने कहा कि पंजाब भौगोलिक रूप से जमीनी सीमाओं से जुड़ा राज्य है और किसान आंदोलन के चलते शंभू बॉर्डर पर यातायात ठप होने से व्यापारिक गतिविधियां पर असर पड़ रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने यातायात खोलने के लिए सीएम के हस्तक्षेप की मांग की ताकि व्यापार सुचारू रूप से चल सके

हम मुल्ला-मौलवी नहीं वैज्ञानिक बनाते हैं:योगी

सीएम आदित्यनाथ बोले-यूपी में 30 हजार पुलिस की भर्ती होगी

योगी बोले- मक्का में सालभर में 1.40 करोड़ लोग पहुंचे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने मंगलवार को विधान परिषद में कहा- हमारी सरकार बच्चों की पढ़ाई को लेकर गंभीर है। हम मुल्ला-मौलवी नहीं, वैज्ञानिक बनाते हैं। विपक्ष ने गंगा जल पर सवाल उठाया। वैज्ञानिकों ने साबित किया कि गंगा का पानी एल्कलाइन वॉटर से भी शुद्ध है। योगी ने सऊदी अरब के मक्का से लेकर वेटिकन सिटी पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की तुलना प्रयागराज, काशी और अयोध्या से की। कहा- वेटिकन सिटी में पूरे साल में 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं। प्रयागराज में तो एक दिन में ही इतने लोग पहुंच गए।

- गंगा का जल एल्कलाइन वॉटर से भी शुद्ध- गंगा जल के अस्तित्व पर सवाल खड़े कर रहे थे। इसका जवाब वैज्ञानिकों ने दिए। अजय सोनकर ने साबित किया कि गंगा जल एल्कलाइन से भी स्वच्छ है। गंगा जल में खुद को साफ रखने की ताकत है। महाकुंभ को बदनाम करने का कोई प्रयास नहीं छोड़ा। प्रचार कर रहे थे कि कितने लोग मर गए। सपा ने कहा कि जिसका पोस्टमॉर्टम हुआ, क्या वो भी जिंदा हो गए। प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में कोई भी पता करा सकता है। दरअसल, गिद्धों को सिर्फ लाश ही नजर आई। सभी ने अपने स्वभाव व चरित्र के अनुसार देखा। सनातन की सुंदरता समाजवादियों और वामपंथियों को नजर नहीं आई।

पंजाब विधानसभा में केंद्र की पॉलिसी के खिलाफ प्रस्ताव पास

कहा-इससे 3 रद्द कृषि कानून वापस लाने की कोशिश, एमएसपी का जिक्र नहीं

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा के दो दिवसीय सत्र के आखिरी दिन कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने राष्ट्रीय कृषि मार्केटिंग नीति के खिलाफ प्रस्ताव पेश किया। इसमें उन्होंने कहा कि इस नीति के साथ राज्य की शक्तियों पर केंद्र काबिज होने की कोशिश कर रहा है। इसमें कहीं भी एमएसपी का जिक्र नहीं किया गया। किसान भी इसके विरोध में हैं। वहीं, स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि किसान इस नीति के खिलाफ हैं। किसानों का मानना है कि राज्यों की मंडियों पर इसका नेगेटिव असर होगा। किसानों को महसूस होता है कि इस नीति से उन्हें अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलेगा। इससे एपीएमसी मंडियां तबाह हो जाएंगी। यह सरकारी मंडियों को खत्म करने का प्रयास है। किसानों के लंबे विरोध के बाद 2021 में रद्द किए गए 3 कृषि कानूनों को दोबारा वापस लाने की कोशिश है। इसलिए, यह ड्राफ्ट रद्द किया जाना जरूरी है। अंत में सीएम भगवंत मान ने भी इस पॉलिसी का विरोध किया। उन्होंने कहा कि हम इस नीति का विरोध करते हैं। इसी के साथ केंद्रीय कृषि मार्केटिंग बिल के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव पास कर दिया गया।

सप्ताह में 70 से 90 घंटे कार्य करने की बात यार्डी ने की खारिज

47.5 घंटे काम की वकालत, घंटों से ज्यादा रिजल्ट मायने रखता है

एजेंसी | नई दिल्ली

कैपजेमिनी इंडिया के सीईओ ने भारतीय कर्मचारियों के लिए काम के सप्ताह में 70-90 घंटे के कार्य के विचार को खारिज कर दिया है। उन्होंने इस मुद्दे पर एक संतुलित और मानवीय दृष्टिकोण अपनाया है। भारत में सप्ताह में 47.5 घंटे काम करने की वकालत की। कैपजेमिनी सीईओ अश्विन यार्डी ने कहा कि वह वीकेंड पर कर्मचारियों को ईमेल भेजने के खिलाफ हैं। वह मुंबई में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जब उनसे पूछा गया कि भारतीय कर्मचारियों के लिए, काम के आदर्श घंटे क्या होने चाहिए, तो उन्होंने कहा कि साढ़े सैंतालीस घंटे।

हमारे पास एक दिन में नौ घंटे और सप्ताह में पांच दिन होते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले चार सालों से मेरा मार्गदर्शक सिद्धांत है कि वीकेंड पर ईमेल न भेजें जाएं, भले ही कोई जरूरी मामला हो, जब तक कि आप उसे वीकेंड पर हल कर सकें। यार्डी ने माना कि कभी-कभी वह वीकेंड पर काम करते हैं, लेकिन वह कर्मचारियों को ईमेल भेजने से बचते हैं, क्योंकि सिर्फ कर्मचारियों को परेशान करने का कोई मतलब नहीं है, जब यह पता हो कि काम वीकेंड पर नहीं हो सकता। इस कार्यक्रम में नैसकॉम की चेयरपर्सन सिंधु गंगाधरन ने कहा कि काम

के रिजल्ट, घंटों से ज्यादा मायने रखते हैं मैरिको के सीईओ ने भी इस विचार का समर्थन किया और कहा कि वह कभी-कभी रात 11 बजे ईमेल भेजते हैं।

कैपजेमिनी सीईओ के ये बयान ऐसे समय आया है, जब इंफोसिस के सह-संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने 70 घंटे के कार्य सप्ताह की वकालत की थी, वहीं एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यन ने 90 घंटे के कार्य सप्ताह का आह्वान किया था, जिसने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। बता दें सुब्रमण्यन ने हाल ही में कर्मचारियों के साथ बातचीत में कहा कि उन्हें इस बात का अफसोस है कि वे अपने कर्मचारियों को रविवार को काम पर नहीं लगा पाते हैं। उन्होंने कहा कि घर पर बैठकर क्या करते हो? कब तक अपनी पत्नी को घूरते रहोगे और कब तक पत्नी अपने पति को घूरती रहेगी। उनके इस बयान की काफी आलोचना भी हुइ थी।

महाराष्ट्र में 11 बीजेपी विधायकों को मिली अहम विधान समितियों की जिम्मेदारी

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा की समिति के विभाजन की घोषणा कर दी गई है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 11 विधायकों को विभिन्न समितियों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं। हालांकि, महायुति के सहयोगी दल शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के विधायकों को अब तक समितियों में स्थान नहीं मिला है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण और विधायक रणधीर सावरकर के नेतृत्व में इन विधायकों को इन समितियों में नियुक्त किया गया है।

समितियों में जगह पाए 11 बीजेपी विधायकों में - सार्वजनिक उपक्रम समिति - राहुल कुल, पंचायत राज समिति - संतोष दानवे-पाटिल, आश्वासन समिति - रवि राणा, अनुसूचित जाति कल्याण समिति - नारायण कुचे, अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति - राजेश पाडवी, महिला अधिकार और कल्याण समिति - मोनिका राजले, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति - किसन कथोरे, मराठी भाषा समिति - अतुल भातखलकर, विशेष अधिकार समिति - राम कदम, धर्मादाय निजी अस्पताल जांच समिति - नमिता मुंदडा एवं विधायक निवास व्यवस्था समिति - सचिन कल्याणशेट्टी हैं।

इस कदम को भाजपा विधायकों के लिए राजनीतिक रूप से पुनर्वास के अवसर के रूप में देखा जा रहा है, विशेष रूप से उन विधायकों के लिए जो मंत्री पद से वंचित रह गए थे। हालांकि, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी के नेता अभी भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने इस विषय पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महायुति के हर सहयोगी दल को विधायी समितियों में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सत्ता के वितरण को लेकर किसी भी प्रकार की रस्साकशी नहीं हो रही है। महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 29 विधायी समितियां हैं, जिनमें से भाजपा ने पहले ही 11 महत्वपूर्ण समितियों पर दबदबा कायम कर लिया है।

दिल्ली विधानसभा से एएपी के 21 विधायक सस्पेंड

कैग रिपोर्ट पर हंगामा कर रहे थे, स्पीकर गुप्ता का ऐक्शन

खुलासा-एएपी की शराब नीति से 2002 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में शराब नीति पर कैग रिपोर्ट पेश की गई। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने रिपोर्ट सदन में रखी। एलजी वीके सक्सेना ने कहा कि पिछली सरकार ने इस रिपोर्ट को रोककर रखा था। इसे सदन में नहीं रखा। उन्होंने संविधान का

खुलेआम उल्लंघन किया। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि नई शराब नीति से दिल्ली सरकार को 2002 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। पॉलिसी कमजोर थी और लाइसेंस प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई। एक्सपर्ट पैनल ने पॉलिसी में कुछ बदलाव के सुझाव दिए थे, जिन्हें तत्कालीन डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज कर दिया। इससे पहले सदन में विपक्षी पार्टी एएपी ने सीएम हाउस में भगत सिंह और अंबेडकर की तस्वीरों के मुद्दे पर हंगामा किया। आप विधायकों ने हाय मोदी-मोदी की नारेबाजी की।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)